भारत सरकार
नागर विमानन मंत्रालय
लोक सभा
लिखित प्रश्न संख्या :1428
गुरुवार, 13 फरवरी, 2025 (24 माघ, 1946 (शक) को दिया जाने वाला उत्तर

आकांक्षी जिलों में क्षेत्रीय संपर्क का विकास

1428. श्री विष्णु दयाल राम:

क्या **नागर विमानन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः
(क) क्या सरकार उड़ान योजना के अंतर्गत पलामू और गढ़वा सहित आकांक्षी जिलों में क्षेत्रीय संपर्क को प्राथमिकता दे रही है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ख) उक्त जिलों में विकास के लिए कितने असेवित विमानपत्तनों की पहचान की गई है;
(ग) विगत तीन वर्षों के दौरान अल्पविकसित क्षेत्रों में क्षेत्रीय हवाई संपर्क को बढ़ावा देने के लिए कितनी धनराशि आवंटित की गई है; और
(घ) ऐसे क्षेत्रों में हवाई संपर्क में सुधार लाने और आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के लिए सरकार द्वारा क्या उपाय किए जा रहे हैं?

उत्तर
नागर विमानन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मुरलीधर मोहोल)

(क) से (घ) सरकार ने झारखंड राज्य सहित भारत के लोगों के लिए हवाई यात्रा को किफायती बनाने के लिए देश में असेवित और अल्पसेवित हवाईअड्डों से क्षेत्रीय हवाई संपर्क बढ़ाने के लिए अक्टूबर 2016 में क्षेत्रीय संपर्क योजना-उड़े देश का आम नागरिक (आरसीएस-उड़ान) शुरू की है। सरकार ने हाल ही में आकांक्षी जिलों में हेलीपैड का समर्थन करने के लिए संशोधित उड़ान योजना शुरू करने की घोषणा की है।

आरसीएस-उड़ान के तहत, झारखंड राज्य में छह (06) हवाईअड्डों अर्थात् बोकारो, दुमका, जमशेदपुर, हजारीबाग, देवघर और डाल्टनगंज की पहचान आरसीएस उड़ानों के विकास और परिचालन के लिए की गई है।

देश में असेवित और अल्पसेवित हवाईअड्डों/हेलीपोर्टों/वाटर एयरोड्रोमों के पुनरुद्धार और विकास के लिए वित्त वर्ष 2021-22 से वित्त वर्ष 2023-24 तक 2418 करोड़ रुपये आवंटित किए गए।

*****